Seat No. _____

HAJ-19070101030200

B. R. S. (Sem.-III) (CBCS) (WEF-2019) Examination

May - 2023

Hindi : FND-305

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours / Total Marks : **70**

सूचना : सूचनानुसार उत्तर दीजिए ।

1 डॉ. रामकुमार वर्मा का संक्षिप्त जीवन परिचय देकर उनके कृतित्व पर प्रकाश डालिए । **15**

अथवा

1 भुवनेश्वर प्रसाद रचित 'स्ट्राइक' एकांकी का कथानक लिखिए । **15**

2 एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की समीक्षा कीजिए । **15**

अथवा

2 शारदा की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । **15**

3 निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **15**

(1) 'तेरे लिए पश्चाताप ही प्रायश्चित है ।'

(2) 'आप कहते हैं, मैं औरत को समझ नहीं पाता । जनाब, यह सब कोरी बाते हैं । समझने की क्या जरूरत है ? मशीन की एक पुली दूसरी पुली को नापने, जोखने, समझने नहीं जाती ।'

(3) 'काकाजी जैसा दयालु होना मुश्किल है, देख नहीं रहे ? बिना ब्राह्मणों को भोजन कराये भोजन नहीं करते । यह दूसरी बात है कि वे घर के ही रसोईएँ हैं ।'

(4) 'क्या जवाब दूँ बाबूजी ! जब कुर्सी–मेज बिकती है, तब दुकानदार कुर्सी मेज से कुछ नहीं पूछता, सिर्फ खरीददार को दिखला देता है । पसन्द आ गयी तो अच्छा है, वरना...'

(5) 'तेरा इतना साहस कि तूं उन्हें निकम्मा कहे ! तेरे तो इनके पैर धोने लायक भी नहीं हैं, दुनिया पूजती हैं इन्हें ।'

4 एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'प्रतिशोध' एकांकी की समीक्षा कीजिए । **15**

अथवा

4 उमा का चरित्र–चित्रण कीजिए । **15**

5 निम्नलिखित परिच्छेद का सारलेखन कीजिए : **10**

राष्ट्र को उन्नति के शिखर पर अग्रसर करने में सच्चरित्र महापुरुषों की अहम भूमिका रहती है । भारत के आदिकालीन इतिहास से अब तक ऐसे दिव्य रत्नों की शृंखला विस्तृत है । देशरत्नों की यह माला भारत माँ के कंठ को सुशोभित करती है । इस माला का एक–एक रत्न अमूल्य है । इन रत्नों से प्रस्फुटित होने वाली ज्योति से अज्ञानरूपी अँधकार छँटने लगता है । महाराज बलि, रंतिदेव, दधीचि, हरिश्चंद्र, राम, भीष्म पितामह, कर्ण, महात्मा बुद्ध, महावीर, महात्मा गाँधी, राजेन्द्र प्रसाद, सरदार भगतसिंह, चंद्रशेखर 'आजाद', पंडित नेहरु, लालबहादुर शास्त्री और वीर अब्दुल हमीद आदि इसी माला की अमूल्य मणियाँ हैं । भारत ही क्यों, प्रत्येक राष्ट्र के गौरवपूर्ण इतिहास में ऐसे तपःपूतों के नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित हैं । ईसा, सुकरात, अरस्तू, मार्टिन लूथर, नेलसन, लिंकन आदि चरित्रनिष्ठ महापुरुषों का जीवन सभी के लिए अनुकरणीय है । इन चारु चरित्रों की छाया में किसी भी राष्ट्र की महानता और सुरक्षा पलती चली आ रही है । चरित्र स्वतः ही ऊँचा नहीं उठता । इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, सतत प्रयत्न, ऊँचा आत्मबल, दृढ़ संकल्प, सत्संगति, आत्मचिंतन, स्वाध्याय आदि गुण अपेक्षित हैं ।

अथवा

5 ए.टी.एम. कार्ड की सुविधा प्राप्त करने के लिए बैंक मेनेजर को पत्र लिखिए । **10**